Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding grievances of ward members of Panchayati Raj in Aaria district in Bihar.

श्री प्रदीप कुमार सिंह (अररिया): सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं।

महोदय, गांधी जी का सपना था कि मुल्क आज़ाद हो, गांव में हरियाली और खुशहाली हो, खेतों में पानी हो। मैं बिहार के अरिरया से आता हूं। वहां पंचायती राज चुनाव हुए पन्द्रह महीने हो गए हैं और पन्द्रह महीने बीतने के बाद भी वहां की जो कुव्यवस्था है, वहां की जो सरकार है, उसमें अभी तक विकास का कोई काम नहीं हुआ है। 'सात निश्चय' की जो योजना है और मनरेगा की जो योजना है, उसमें हमारे पंचायती राज के मुखिया और वार्ड सदस्य को मानदेय मिलने के लिए खाते तक नहीं खुल पाए हैं। पूरे बिहार के पंचायती राज के जो जन प्रतिनिधि चुन कर आए हैं, जो वार्ड सदस्य हैं, वे आंदोलन कर रहे हैं और उनकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है। उन्हें उनके अधिकारों से वंचित रखा गया है। गांवों में वार्डों और पंचायतों का काम विकास से वंचित है। मनरेगा में जो लूट हो रही है, इसकी भी उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि मनरेगा योजना की जांच करवाई जाए। पंचायती राज में जो जन प्रतिनिधि हैं, जो मुखिया और वार्ड सदस्य जीत कर आए हैं, चुनावों के पहले उनसे बहुत वादे किए गए थे। वे वादे पूरे नहीं हुए हैं। पूरे बिहार में लाखों वार्ड सदस्य, जो जीत कर आए हैं, वे आंदोलन कर रहे हैं। वहां विकास बाधित है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में इस बात को लाना चाहता हूं कि इसमें हस्तक्षेप करके विकास के काम को चलाया जाए और जन प्रतिनिधियों को उचित अधिकार दिए जाएं। धन्यवाद।